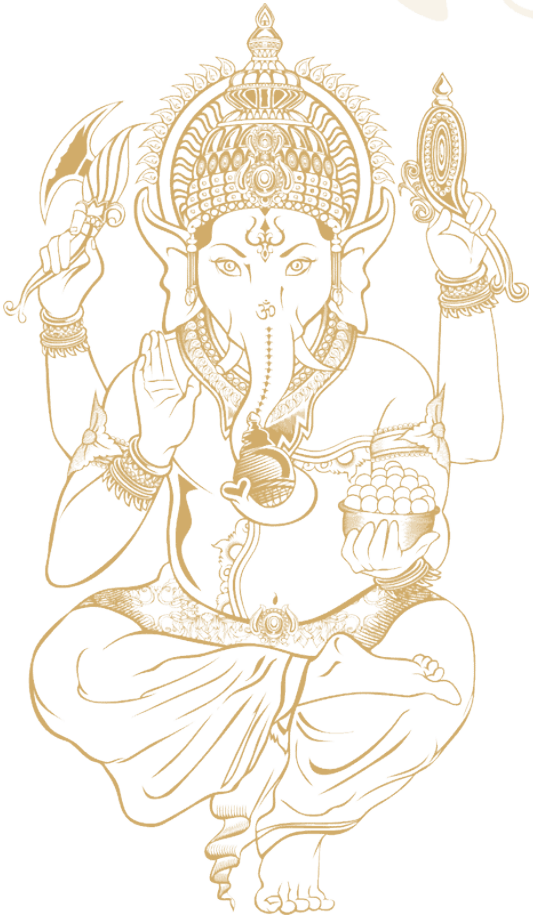

Amrinder Singh

24 Aug 1988

03:30 PM

Patiala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121467712

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/08/1988**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:30:00 घंटे**
इष्ट	23:53:34 घटी
स्थान	**Patiala**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	76:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:05:36 घंटे
वेलान्तर	-00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल	13:17:12 घंटे
सूर्योदय	05:56:34 घंटे
सूर्यास्त	18:56:18 घंटे
दिनमान	12:59:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:44:59 सिंह
लग्न के अंश	10:34:41 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:34:41	339:04:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			सिंह	07:44:59	00:57:51	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	25:17:46	14:27:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			मीन	17:43:49	00:01:50	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध			सिंह	26:31:13	01:35:35	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
गुरु			वृष	10:52:13	00:05:48	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	21:59:25	00:58:24	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		धनु	02:15:29	00:00:35	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:25:12	00:01:14	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:25:12	00:01:14	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	03:24:16	00:00:36	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
नेप	व		धनु	13:53:27	00:00:47	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	16:24:38	00:01:11	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	27:11:33	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:00

लग्न-चलित

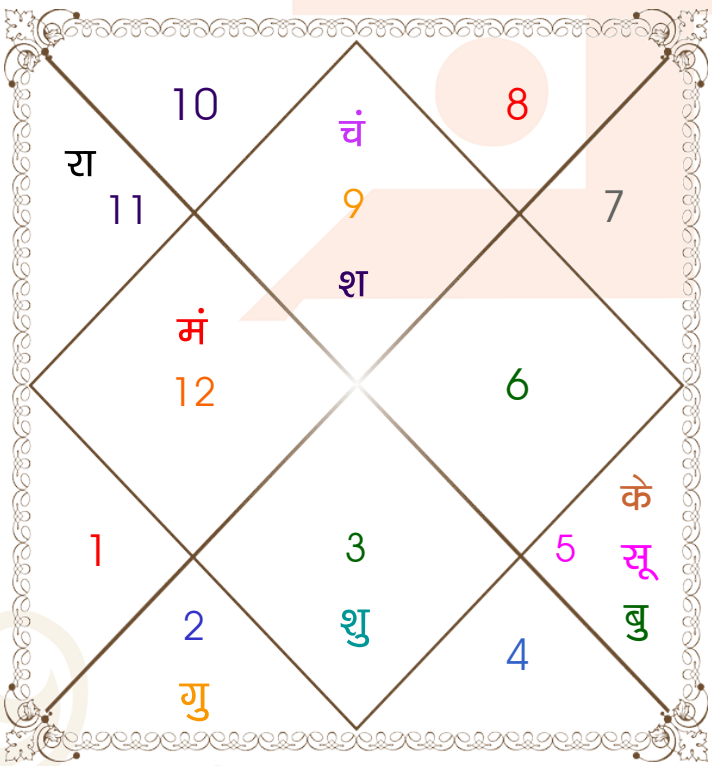

चन्द्र कुंडली

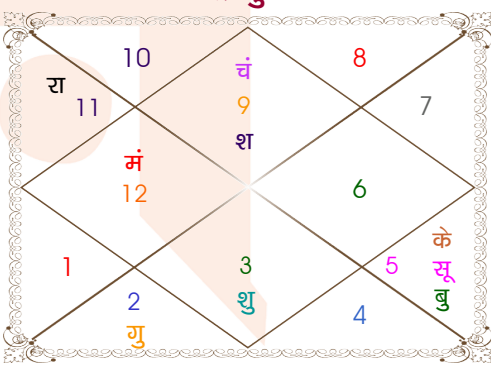

नवमांश कुंडली

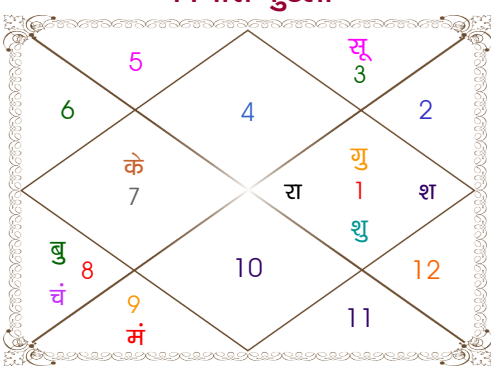

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 0 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/08/1988		14/09/1990		14/09/1996		14/09/2006		14/09/2013	
14/09/1990		14/09/1996		14/09/2006		14/09/2013		14/09/2031	
	00/00/0000	सूर्य	02/01/1991	चंद्र	15/07/1997	मंगल	10/02/2007	राहु	27/05/2016
	00/00/0000	चंद्र	03/07/1991	मंगल	13/02/1998	राहु	29/02/2008	गुरु	21/10/2018
	00/00/0000	मंगल	08/11/1991	राहु	15/08/1999	गुरु	04/02/2009	शनि	27/08/2021
	00/00/0000	राहु	02/10/1992	गुरु	14/12/2000	शनि	15/03/2010	बुध	15/03/2024
	00/00/0000	गुरु	21/07/1993	शनि	15/07/2002	बुध	13/03/2011	केतु	02/04/2025
	00/00/0000	शनि	03/07/1994	बुध	15/12/2003	केतु	09/08/2011	शुक्र	02/04/2028
	24/08/1988	बुध	10/05/1995	केतु	15/07/2004	शुक्र	08/10/2012	सूर्य	25/02/2029
बुध	15/07/1989	केतु	14/09/1995	शुक्र	15/03/2006	सूर्य	13/02/2013	चंद्र	27/08/2030
केतु	14/09/1990	शुक्र	14/09/1996	सूर्य	14/09/2006	चंद्र	14/09/2013	मंगल	14/09/2031

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
14/09/2031		14/09/2047		14/09/2066		14/09/2083		14/09/2090	
14/09/2047		14/09/2066		14/09/2083		14/09/2090		00/00/0000	
गुरु	02/11/2033	शनि	17/09/2050	बुध	10/02/2069	केतु	11/02/2084	शुक्र	14/01/2094
शनि	15/05/2036	बुध	27/05/2053	केतु	07/02/2070	शुक्र	12/04/2085	सूर्य	14/01/2095
बुध	21/08/2038	केतु	06/07/2054	शुक्र	08/12/2072	सूर्य	17/08/2085	चंद्र	14/09/2096
केतु	28/07/2039	शुक्र	05/09/2057	सूर्य	14/10/2073	चंद्र	19/03/2086	मंगल	14/11/2097
शुक्र	28/03/2042	सूर्य	18/08/2058	चंद्र	16/03/2075	मंगल	15/08/2086	राहु	14/11/2100
सूर्य	14/01/2043	चंद्र	18/03/2060	मंगल	12/03/2076	राहु	02/09/2087	गुरु	16/07/2103
चंद्र	15/05/2044	मंगल	27/04/2061	राहु	29/09/2078	गुरु	08/08/2088	शनि	15/09/2106
मंगल	21/04/2045	राहु	03/03/2064	गुरु	04/01/2081	शनि	17/09/2089	बुध	25/08/2108
राहु	14/09/2047	गुरु	14/09/2066	शनि	14/09/2083	बुध	14/09/2090		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 0 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।